IGN COLLEGE , LADWA (Dhanora) Distt. Kurukshetra

Dated: 02-02-2019

STAFF NOTICE

All the staff members are informed that Sanskrit Department of the college is organizing One Day National Seminar on 04.02.2019. The Staff members are invited to attend the seminar during their free periods and they are also invited for Lunch in the Auditorium.

Principal
Indira Gandhi National College
LADWA Dist. Kurukshetra

PRINCIPAL

S.No.	Name (Dr./Sh./Ms.)	Signature	Name (Dr./Sh./Ms.)	Signature
1	R.K.Chauhan, Asso. Prof.		Rajbir Singh	
2	Madhu Gupta Asso. Prof.		Rajni Saini	
3	Ashok Verma, Asso. Prof.		Dolly Kush	
4	Sadhna Gupta, Asso.Prof.		Krishan Ram	
5	S.C.Sharma, Asso.Prof.		Mandeep Kaur	
6	A.K.Garg, Asso. Prof.	4.2.19	Vipin Gupta	
7	Romesh Bhaal Asso.Prof.	4.2.19		
8	Sandeep Bansal, Asso.Prof			
9	Rajesh Kumar Asst.Prof.			
10	Rupesh Gaur Librarian			
11	Yash Pal Singh Asstt.Prof.			
12	Harneet Kaur Asstt.Prof.			
13	Mohan Lal Asstt.Prof.			
14	Sunita Rani Asstt.Prof.			
15	Vandana Gupta Asstt. Prof			
16	Neeru Bala, Asstt. Prof.			
17	Kuldeep Singh Asst. Prof.			
18	Niti Goyal Asstt. Prof.			
19	Suman Siwach Asstt. Prof.			
20	Amit Kumar, Asstt. Prof.			
21	Sudesh Kumar, Asstt. Prof.			
22	Amit Verma, Asstt. Prof.			
23	Neetu, Asstt. Prof.			
24	Priyanka, Asstt. Prof.			

IGN COLLEGE , LADWA (Dhanora) Distt. Kurukshetra

Dated: 02-02-2(

STAFF NOTICE

All the staff members are informed that Sanskrit Departmet of the college organizing One Day National Seminar on 04.02.2019. The Staff members can atte the seminar during the free time and are cordially invited for Lunch in Auditorium.

Principal PRINCIPA
Indira Gandhi National Coll
LADWA Distt. Kurukshetra

Sr. No.	Name (Sh./Ms.)	Signature	Name (Sh./Ms.)	Signature
1.	Vijay Kumar		Pooja Kamboj	
2.	J.K. Gupta		Sushil Kumar	
3.	Nisha Rani		Karnail Singh	
4.	Ravinder Sharma		Roop Chand	
5.	Muni Lal		Parveen Kumar	
6.	Joginder Singh		Mukesh Kumar	
7.	Rakib		Asha	
8.	Naresh Kumar		Babita	
9.	Naresh Pal			
10.	Raj Kumar			
11.	Jagdeep Chahal			
12.	Raj Pal			

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरूक्षेत्र)

रिपोर्ट 04.02.2019

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के संस्कृत विभाग द्वारा एक दिवसीय नेशनल संगोष्ठी का आयोजन हरियाणा संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वाधान में 04.02.2019 को किया गया। संगोष्ठी का विषय 'संस्कृत वाङ्मय में लोक–चेतना के विविध आयाम' रहा। इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों में मुख्यातिथि डॉ. सोमेश्वर दत्त जी, हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला, मुख्य वक्ताओं के रूप में डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, प्रो. मान सिंह, प्रो. राजेश्वर मिश्र कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र, डॉ. कामदेव झां, प्राचार्य डी.ए.वी. कॉलेज पेहवा, डॉ. आशुतोष आंगीरस, डॉ. कुसुम दत्ता, पुर्व प्राध्यापिका हिन्दु गर्ल्स कॉलेज, जगाधरी आदि ने भी देववाणी संस्कृत भाषा के महत्व पर व्याख्यान दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरिप्रकाश शर्मा और निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सोमेश्वर दत्त द्वारा मुख्य वक्ताओं को शॉल व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। इस संगोष्ठी में 112 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में उपस्थित होने वाले प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र भी दिए गए।

Principal प्राचार्य
Indira Gandhi National College
LADWA Distt. Kurukshetra

प्रेस विज्ञप्ति
04.02.2019

– संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी।
– संस्कृत भाषा को देववाणी भी कहा जाता है – डॉ. हरिप्रकाश शर्मा ।

लाडवा 04.02.2019: इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा में आज संस्कृत विभाग की तरफ से हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सहयोग से एक–दिवसीय अन्तर्वैषयिक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का विषय संस्कृत वाङ्मय में लोक–चेतना के विविध आयाम (सामाजिक–राजनैतिक–आर्थिक चुनौतियों के संदर्भ में) पर आधारित थी। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाश शर्मा जी ने इस संगोष्ठी में उपस्थित सभी विद्वज्जनों डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला, डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, ओ.एस.डी. राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, प्रो. मान सिंह, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष कु.वि. कुरुक्षेत्र, प्रो. राजेश्वर मिश्र, डीन प्राच्य विद्यासंकाय, कु.वि. कुरुक्षेत्र, डॉ. कामदेव झा, प्राचार्य, डी.ए.वी. कॉलेज, पेहवा, डॉ. आशुतोष आंगीरस, सनातन धर्म महाविद्यालय, अम्बाला कैंट, डॉ. कुसुम दत्ता, पूर्व प्राध्यापिका, हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, जगाधरी का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर की गई ।

डॉ. हरिप्रकाश शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि – संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा दोनों में से एक के अभाव में दूसरी की कल्पना आकाश कुसुम की भाँति कोरी मात्र है। संस्कृत भाषा को देववाणी भी कहा जाता है।

डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, ओ.एस.डी. राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ने समारोह की शुरुआत अपने व्याख्यान से की। उन्होंने मुख्यवक्ता की भूमिका निभाते हुए कहा कि – हमें संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार में विशेष रूप से वैयक्तिक योगदान देने की आवश्यकता है।

प्रो. मान सिंह जी ने समारोह की समापन बेला पर अपने वक्तव्य में कहा कि – ऐसा नहीं है कि प्राचीन भारत में केवल ब्राह्मण ही संस्कृत बोलते थे, उस समय प्रत्येक जाति एवं प्रांत के लोगो में संस्कृत भाषा प्रचलित थी। वेदों एवं पुराणों का पाठन भी प्रत्येक जाति के लोग करते थे।

अन्य वक्ताओं के रूप में डॉ. कामदेव झा, डॉ. आशुतोष आंगीरस, डॉ. कुसुम दत्ता, डॉ. राजेश्वर मिश्र ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा के सभी पहलुओं को उजागर किया।

इस संगोष्ठी में अन्य कॉलेजों के संस्कृत प्राध्यापकों के साथ–2 शोधार्थियों ने भी भाग लिया। मेजबान कॉलेज के संस्कृत विद्यार्थियों ने भी रुचि दिखाते हुए संगोष्ठी में उपस्थित होकर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य और निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी ने मुख्य वक्ताओं को शाल एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। ... कृष्ण राम, कॉलेज प्राध्यापक एवं डॉ. आशुतोष आंगीरस, सनातन धर्म कॉलेज, अम्बाला कैंट ने सफल मंच संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. मधु ...ता, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. रोमेश भाल, डॉ. संदीप बंसल, डॉ. राजेश कुमार, ... रूपेश गौड़, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. सुमन सिवॉच, डॉ. ...श बंसल, डॉ. अमित वशिष्ठ, प्रो. रजनी सैनी, प्रो. राजबीर, प्रो. मनदी... विपिन गुप्ता, श्री विजय बंसल, श्रीमती निशा रानी इत्यादि मौजूद रहे। ...गान के साथ समारोह को सम्पूर्णता प्रदान की गई।

Principal
Indira Gandhi National College
LADWA Distt. Kurukshetra
प्राचार्य

मंगलवार 5 फरवरी, 2019

...के प्रचार में देना होगा व्यक्तिगत योगदान : डॉ. राजेन्द्र

...न्यूज | लाडवा

...गांधी नेशनल कॉलेज में ...वार को संस्कृत विभाग, हरियाणा ...कृत अकादमी, पंचकूला के सहयोग ...राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया ...गया। विषय संस्कृत में लोक चेतना के विविध आयाम (सामाजिक-राजनैतिक-आर्थिक चुनौतियों के संदर्भ में) रहा। कालेज प्राचार्य डा. हरिप्रकाश शर्मा, डा. सोमेश्वर दत्त, निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला, डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, ओएसडी राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, प्रो. मान सिंह, प्रो. राजेश्वर मिश्र, डीन प्राच्य विद्यासंकाय आदि मुख्य वक्ता रहे। मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित की गई। कालेज प्राचार्य

मुख्यवक्ता को स्मृति चिन्ह देते कॉलेज के प्राचार्य व अन्य।

डॉ. हरिप्रकाश शर्मा ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा दोनों में से एक के अभाव में दूसरी की कल्पना आकाश कुसुम की भांति कोरी है। संस्कृत भाषा को देववाणी भी कहा जाता है। डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने कहा कि हमें संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार में विशेष रूप से व्यक्तिगत तौर पर योगदान देना होगा। डॉ. कामदेव, डॉ. आशुतोष अंगीरस, डॉ. कुसुम दत्ता, डॉ. राजेश्वर मिश्र ने संस्कृत भाषा के सभी पहलुओं को उजागर किया। इस अवसर पर डॉ. मधु गुप्ता, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. रोमेश भाल, डॉ. संदीप बंसल, डॉ. राजेश कुमार, डा. रूपेश गौड़, डॉ. अमित वशिष्ठ प्रो. रजनी सैनी, प्रो. राजबीर, प्रो. मनदीप, प्रो. विपिन गुप्ता, विजय बंसल, निशा रानी आदि उपस्थित थे।

पंजाब केसरी TUESDAY • 5.2.2019

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी : शर्मा

लाडवा, 4 फरवरी (शैलेंद्र): लाडवा के इंदिरा गांधी नैशनल कालेज में सोमवार को संस्कृत विभाग की तरफ से एक दिवसीय अंतर्वैश्यिक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा किया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के ओ.एस.डी. डा. राजेंद्र विद्यालंकार सहित डा. मान सिंह, डा. आर.पी. मिश्रा, डा. कुसुम दत्ता, डा. कामदेव झा, डा. आशुतोष आंगीरस, डा. अशोक चौधरी ने मुख्य रूप से अपने विचार सांझा किए। संगोष्ठी का शुभारंभ आए हुए अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया।

अतिथियों को शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कालेज के प्राचार्य। (शैलेंद्र)

संगोष्ठी का विषय संस्कृत वाङ्यम में लोक-चेतना के विधि आयाम पर आधारित थी। इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डा. हरिप्रकाश शर्मा ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के ओ.एस.डी. डा. राजेंद्र विद्यालंकार ने कहा कि हमें संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में विशेष रूप से वैयक्तिक योगदान देने की आवश्यकता है। प्रो. मान सिंह ने कहा कि ऐसा नहीं है कि प्राचीन भारत में केवल ब्राह्मण ही संस्कृत बोलते थे। उस समय प्रत्येक जाति एवं प्रांत के लोगों में संस्कृत भाषा प्रचलित थी। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान व सम्मान समारोह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें कालेज के प्राचार्य डा. हरिप्रकाश शर्मा व अकादमी की तरफ से संगोष्ठी में आए सभी अतिथियों को शाल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर प्रो. कृष्ण राम, डा. मधु गुप्ता, डा. अशोक वर्मा, डा. रोमेश भाल, डा. संदीप बंसल, डा. राजेश कुमार, डा. रूपेश गौड़, डा. यशपाल सिंह, डा. कुलदीप सिंह, डा. सुमन सिवाच, डा. सुदेश बंसल, डा. अमित वशिष्ठ, प्रो. रजनी सैनी, राजबीर, मनदीप, विपिन गुप्ता, विजय बंसल व निशा रानी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डा. आर. पी. मिश्र
डा. मान सिंह
1:51 PM

1:51 PM

1:51 PM

1:51 PM

हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला
के तत्त्वावधान में
द्वारा आयोजित

केसरी | 5 फरवरी, 2019 ▸ मंगलवार

कृत सभी भाषाओं की जननी

ड्वा, (कैलाश गोयल): इन्दिरा
नेशनल कॉलेज लाडवा में आज
कृत विभाग की तरफ से हरियाणा
कृत अकादमी पंचकूला के
योग से एक-दिवसीय
तर्वैषयिक राष्ट्रीय संगोष्ठी का
योजन किया गया। इस संगोष्ठी
विषय संस्कृत वाङ्मय में लोक-
तना के विविध आयाम
सामाजिक-राजनैतिक-आर्थिक
नौतियों के संदर्भ में) पर आधारित
।

सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय इंदिरा
गांधी कॉलेज के प्रिंसिपल हरिप्रकाश
शर्मा मुख्यातिथियों को स्मृति चिन्ह
देकर सम्मानित करते हुए। डॉ.
हरिप्रकाश शर्मा ने इस संगोष्ठी में
उपस्थित सभी विद्वज्जनों डॉ.
सोमेश्वर दत्त, निदेशक, हरियाणा
संस्कृत अकादमी, पंचकूला, डॉ.
राजेन्द्र विद्यालंकार, ओ.एस.डी.
राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, प्रो. मान
सिंह, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष
कु.वि. कुरुक्षेत्र, प्रो. राजेश्वर मिश्र,
डीन प्राच्य विद्यासंकाय, कु.वि.
कुरुक्षेत्र, डॉ. कामदेव झा, प्राचार्य,
डी.ए.वी. कॉलेज, पेहवा, डॉ.
आशुतोष आंगीरस, सनातन धर्म
महाविद्यालय, अम्बाला कैंट, डॉ.
कुसुम दत्ता, पूर्व प्राध्यापिका, हिन्दू
गर्ल्स कॉलेज, जगाधरी का हार्दिक
अभिनंदन एवं स्वागत किया।
कार्यक्रम की शुरूआत ज्ञान की देवी
माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप
प्रज्वलित कर की गई। डॉ.
हरिप्रकाश शर्मा ने अपने वक्तव्य में
कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की
जननी है।

दैनिक सवेरा | अंबाला, मंगलवार, 5 फरवरी 2019

संस्कृत भाषा के प्रचार व प्रसार में व्यक्तिगत योगदान देने की जरूरत : डा. राजेन्द्र

मुख्यवक्ता को स्मृति चिन्ह देते कालेज के प्राचार्य व अन्य। (डिम्पी)

लाडवा (नरेश गर्ग) : लाडवा के इन्दिरा गांधी नेशनल कालेज में सोमवार को संस्कृत विभाग की ओर से हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का विषय संस्कृत वाङ्मय में लोक चेतना के विविध आयाम (सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक चुनौतियों के संदर्भ में) पर आधारित थी। कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर की गई। संस्कृत भाषा को देववाणी भी कहा जाता है। वहीं डा. राजेन्द्र विद्यालंकार ओ.एस.डी राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ने कहा कि हमें संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार में विशेष रूप से वैयक्तिक योगदान देने की आवश्यकता है।